

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3-- उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ 502] No. 502] नई बिल्ली, सनिवार, नवम्बर 11, 1978/कार्तिक 20, 1900 NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 11, 1978/KARTIKA 20, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1978

का०मा० 644(अ)→-राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्न-. लिखित भावेग सर्पसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है:---

प्रादेश

यतः मुझे, नीलम संजीव रेहो, भारत के राष्ट्रपरि को, मिजोश्म संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है भीर उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् मेरा यह समाधान हो गया है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें मिजोश्म संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासन, संघ राज्य क्षेत्र गासन भाषिनियम, 1963 (1963 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "भाषिनियम" कहा गया है) के उपवंधी के भनुसार नहीं चलाया

भतः श्रव, श्रविनियम की धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों भीर उस ो मित्त मुझे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं इस आवेश द्वारा----

(क) प्रिधिनियम के निम्निलिखित उपबंधों का प्रवर्तन, उक्त मिजोरम संव राज्य क्षेत्र के संबंध में इस प्रादेश की तारीख से छह मास की ग्रविध के लिए निलिम्बित करता हूं, ग्रथित्:—— धारा 6 की उपधारा (1) ग्रीर उपधारा (2) का खण्ड (क); धारा 7 में, उपधारा (1), (3) ग्रीर (4), उपधारा (2) के खण्ड (ख) ग्रीर (ग) ग्रीर उस उपधारा

का प्रथम परन्तुक ; भीर उपधारा (३) का उत्तमा भाग जो उपाध्यक्ष के बेतन भीर भक्तों से संबंधित है ;

धारा 8 से 12 (जिनमें बोनों घारा सम्मिलित हैं) धारा, 15 से 17 (जिनमें बोनों धारा सम्मिलित है), मौर धारा 22;

धारा 27 की उपधारा (1) का उतना भाग जिसके लिए राष्ट्रपति के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होती है भीर उसी धारा की उपधारा (3) के खंड (ग) का उतना भाग जो उपाध्यक्ष के बेतन भीर भक्तों से संबंधित है;

धारा 30 की उपधारा (1) का उतना भाग जिसके लिए राष्ट्रपति के पूर्व धनुमोदन की आवश्यकता होती है; धारा 33, धारा 34 की उपधारा (2) भीर धारा 36;

धारा 44 मीर 45;

धारा 46 की, उपधारा (1) भीर उपधारा (2) में, निम्नलिखित उपबंध, प्रथीत्,

> ''क्या अपने मंत्रियों की सलाह पर या अन्यथा लियागया''; और

धारा 50 का उत्तना भाग जो मंत्रिमंडल से संबंधित है; ग्रीर

(ख) निम्निसिसित मानुषंगिक मौर पारिणामिक उपबंध बनाता हूं जो मुझे पर्नोक्ट करियान संविकान के सामन्त्रेत १९२०

820 GI/78

- के मनुसार मिजोरम संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासन करने के लिए भावत्रयक भौर समीचीन प्रतीत होते हैं, भर्यात्:---
- (1) उक्त संघ राज्य श्रेत की विधान सभा मंग की जाती है;
- (2) अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किए गए मुक्य मंत्री और अन्य मंत्री उस हैसियत से अपने पद पर नहीं रहेंगे;
- (3) जब तक संवर्ध से ध्रन्यभा प्रपेक्षित न हो, उक्त संघ राज्यसें के संबंध में, घिष्ठिनियम की धारा 6, 23, 27, 28, 30 और 49 में प्रशासक के प्रति किसी निर्देश का धर्य राष्ट्र, पति के प्रति निर्देश लगाया जाएगा धौर धारा 23, 27 से 31 (जिनमें दोनों धारा सिम-लित है) 48 भीर 49 में किसी संघ राज्यक्षेत्र की विधानसभा के प्रति किन्हीं शब्दों में निर्देश का जहां तक उसका संबंध उसके हत्यों का धौर शक्तिमों से है, प्रषं, संसद के प्रति निर्देश लगाया जाएगा।

हस्त०/--नीलम संजीव रेड्डी

भारत का राब्द्रपति

नई दिल्ली,

11 मनम्भर, 1978

[सं ॰ यू ॰ - 1 10 12 | 13 | 78-यू ०टी ०एल ०] मं० ला० कम्पानी, ग्रंपर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 11th November, 1978

S.O. 644 (E)—The following Order made by the President is published for general information:—

ORDER

Whereas I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India, have received a report from the Administrator of the Union territory of Mizoram and after considering the report, I am satisfied that a situation has arisen in which the administration of the Union territory of Mizoram cannot be carried on in accordance with the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), (hereinafter refered to as "the Act");

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby—

(a) suspend, for a period of six months from the date of this order, in relation to the said Union territory of Mizoram,

the operation of the following provisions of the Act, namely:—

- sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 6;
- in section 7, sub-sections (1), (3) and (4), clauses (b) and (c) of sub-section (2) and the first proviso to that sub-section, and so much of sub-section (5) as relates to the salaries and allowances of the Deputy Speaker;
- sections 8 to 12 (both inclusive), sections 15 to 17 (both inclusive);

section 22:

- so much of sub-section (1) of section 27 as requires the previous approval of the President and so much of clause (c) of sub-section (3) of the same section as relates to the salaries and allowance, of the Deputy Speaker;
 - so much of sub-section (1) of section 30 as requires the previous approval of the President;
- section 33, sub-section (2) of section 34 and section 36; sections 44 and 45;
- sub-section (1), and the following provision, namely, "whether taken on the advice of his Ministers or otherwise" in sub-section (2), of section 46; and
- so much of section 50 as relates to the Council of Ministers; and
- (b) make the following incidental and consequential provisions which appear to me to be necessary and expedient for administering the Union territory of Mizoram in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period, namely:—
 - (i) the Legislative Assembly of the said Union territory is hereby dissolved;
 - (ii) the Chief Minister and the other Ministers appointed under sub-section (1) of section 45 of the Act shall cease to hold office as such;
 - (iii) in relation to the said Union territory, unless the context otherwise requires, any reference in sections 6, 23, 27, 28, 30 and 49 of the Act to the Administrator shall be construed as a reference to the President and any reference in sections 23, 27 to 31 (both inclusive), 48 and 49 to the Legislative Assembly of a Union territory by whatever form of words shall, in so far as it relates to the functions and powers thereof, be construed as a reference to Parliament.

Sd/-

NEELAM SANJIVA REDDY, President of India

New Delhi,

the 11th November, 1978.

[No. U-11012/13/78-UTL] M. L. KAMPANI, Addl. Secy.